प्रेस विज्ञप्ति

14 मार्च, 2016

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला, मीडिया प्रभारी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व श्री पी. एल. पूनिया, सांसद, प्रवक्ता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने निम्नलिखित बयान जारी किया :–

अब यह official है। बीजेपी सरकार की 'Fair & Lovely Scheme' के चलते देश से भगाए गए श्री विजय माल्या सही मायनों में 'Double NRI' हो गए हैं– 'Non Repaying Indian' के साथ साथ 'Non returning Indian'। काला धन वापस लाने की बजाए, मोदी सरकार ने 22 महीनों में दो तोहफे दिए हैं– पहले 'Lalit Modi' और अब 'Vijay Mallya'। इसीलिए देश के लोग सही कहते हैं–

''मोदी–माल्या की जोड़ी, देश का पैसा ले दौड़ी।''

देश के 130 करोड़ भारतवासियों को अब यह पूरा भरोसा हो गया है कि सीबीआई द्वारा **'गिरफ्तारी'** के 'Lookout Notice' को **'मात्र जानकारी'** के 'Lookout Notice' में बदलने का अर्थ क्या था। अर्थ साफ है 'You Look, I go out'- **'आप ढूंढो, मैं चला'**। इसीलिए लंदन में आराम फरमा रहे श्री विजय माल्या मीडिया तक से बात करने से इंकार कर कोस रहे हैं, क्योंकि उनकी एक ही सोच है– 'Give Me Loan, Leave me Alone'.

श्री विजय माल्या 01 मार्च को राज्यसभा में थे। उनकी वित्तमंत्री, श्री अरुण जेटली से बाकायदा मुलाकात और बात भी हुई। इस बातचीत के बावजूद क्या हुआ, सारा देश जानता है। माल्या, सीबीआई के नोटिस के बावजूद, एक विशेष इशारे पर Immigration Authorities, Banks, CBI, ED, SEBI, SFIO, Service Tax और Income Tax डिपार्टमेंट को ठेंगा दिखाकर चलते बने।

देशवासियों की ओर से हम केंद्र की पारदर्शी सरकार के मुखिया, माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी से पूछना चाहते हैं :–

1. क्या सरकार विजय माल्या के 'निर्वासन' (Deportation) बारे इंग्लैंड की सरकार पर दबाव डालेगी, ताकि देश की जनता की गाढ़ी कमाई का 9091 करोड़ रुपया जल्द से जल्द वापस लिया जा सके? या फिर, ललित मोदी की तरह इस मामले को भी प्रत्यार्पण (Extradition) के कानूनी पेचों में उलझाकर ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?
2. क्या 2 मार्च को देश छोड़कर जाने से पहले श्री विजय माल्या वित्तमंत्री, श्री अरुण जेटली से मिले और बातचीत की? क्या श्री अरुण जेटली ने इस मुलाकात और बातचीत के बारे श्री नरेंद्र मोदी को संपूर्ण जानकारी दी? क्या वह देश तथा संसद को बताएंगे कि इस पूरी बातचीत व मुलाकात का मसौदा क्या था?

3. CBI ने 12 अक्टूबर, 2015 के **'गिरफ्तारी'** के Look Out नोटिस को 30 नवंबर, 2015 को **'मात्र जानकारी'** के Look Out नोटिस में क्यों बदला? क्या ऐसा राजनीतिक दबाव के चलते किया गया।

4. Enforcement Directorate (ED) ने Money Laundering के आरोप में 18 मार्च को श्री विजय माल्या को बुलाया है। हैदराबाद की अदालत ने उनके खिलाफ 'गैरजमानती वॉरंट' जारी किए हैं। CBI, SEBI, SFIO, Service Tax, Income Tax विभाग को भी उनकी तलाश है।

   क्या यह सब मात्र एक कागजी दिखावा है, जबकि सब जानते हैं कि श्री विजय माल्या तो देश छोड़कर जा चुके और वापस आने से साफ इंकार कर रहे हैं?

5. 'United Spirits' कंपनी बेचने के बदले में श्री विजय माल्या ने 'Diageo Plc. Co.' से 515 करोड़ रु. (US$ 75 मिलियन) लेने का समझौता 25 फरवरी, 2016 को किया। 'Debt Recovery Tribunal' के आदेश के बावजूद श्री विजय माल्या US$ 40 मिलियन की राशि विदेशी खाते में प्राप्त भी कर चुके हैं।

   मोदी सरकार यह पैसा किस प्रकार से जब्त करेगी?

हमारा मोदी सरकार से अनुरोध है कि जुमले छोड़िए, सच का सामना कीजिए। 'Fair & Lovely Scheme' बंद कीजिए और देशहित में ललित मोदी व विजय माल्या के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही कीजिए।